आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 287 | उज्जैन, शनिवार 06 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए शिक्षक आगे आयें-राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। साथ ही शासकीय विद्यालयों में कक्षा एक से 8 तक के 55 लाख विद्यार्थियों के खातों में शाला गणवेश की 330 करोड़ की राशि अंतरित की। आर.सी.व्ही.पी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक, उच्च श्रेणी तथा नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक शिक्षक एवं माध्यमिक शिक्षकों को क्रमोन्नत योजना प्रभावशील होने से चतुर्थ समयमान वेतनमान के लाभ के समरूप चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान का लाभ दिये जाने की घोषणा की।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि समय की जरूरत है कि सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए शिक्षक आगे आयें और परिवार एवं समाज का मार्गदर्शन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य पर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने युवाओं के साथ विवेकानंद जयंती पर संवाद कर इस दिशा में पहल की है। गुरूजन के सम्मान और गुरू शिष्य परम्परा की महत्ता भारत की गौरवशाली संस्कृति की धरोहर है। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण युग की गुरू शिष्य परम्परा से प्रेरणा लेकर बच्चों को संस्कारित करना होगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि देश और समाज के निर्माता शिक्षक होते हैं, वह भावी पीढ़ी को संस्कार, ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। व्यक्तित्व का विकास और चरित्र निर्माण करते हैं। भावी जीवन की सफलताओं के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार का भाव सारे जीवन बना रहे, इसके लिए शिक्षकों और पालकों को आगे आना होगा। उन्होंने आधुनिक समाज में बच्चों की आत्म हत्या की बढ़ती चुनौती के प्रति चिंता व्यक्त की। श्री पटेल ने कहा कि समारोह का आयोजन राष्ट्र निर्माता शिक्षकों के देश, समाज के निर्माण में उनके समर्पण और निष्ठा के प्रति देशवासियों का आभार प्रदर्शन है।

पुजारी हत्याकांड में आरोपी को आजीवन कारावास, नशा करने से रोकने पर कर दी थी हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर के लाखन कोटड़ी स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के पुजारी शंकर लाल की पत्थर मारकर हत्या के आरोपी कालू को जिला एवं सत्र न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 25 हजार का अर्थ दंड भी किया है। इसके साथ ही पुजारी के परिवार जनों को पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत 5 लाख की राशि दिलाने की भी अनुशंसा की है।

पत्थर से पुजारी शंकर लाल की हत्या- जिला एवं सत्र न्यायालय के लोक अभियोजक जय शर्मा ने बताया कि यह मामला मार्च 24 का है। इसमें पुजारी की हत्या होने के बाद पुलिस थाना गेगल ग्राम गुढ़ा निवासी कालू नाम के युवक को शमशान से पकड़ा था। युवक आरोपी नशा करता था। नशा नहीं करने के लिए टोकने पर कालू ने पत्थर से पुजारी शंकर लाल की हत्या कर दी थी।

पुलिस ने आरोपी से साक्ष्य बरामद कर लिए थे। मामला चलने पर 22 गवाह और 71 दस्तावेज अदालत में प्रस्तुत किए गए। आरोपी को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

शीना बोरा केस में आया नया ट्विस्ट, बेटी विधि ने लिया यू-टर्न; अदालत में बदला बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। शीना बोरा हत्याकांड में मुख्य गवाह विधि मुखर्जी ने गुरुवार को मुंबई की एक विशेष CBI अदालत में हलफनामा दाखिल कर चौंकाने वाला खुलासा किया। विधि मुख्य आरोपी इंद्रानी मुखर्जी की बेटी हैं। उन्होंने दावा किया कि CBI ने उनकी मां की गिरफ्तारी के बाद 2015 में उनका बयान दर्ज किया था।

यह बयान उनकी दो दिन पहले की गवाही से बिल्कुल उलट है, जिसमें उन्होंने कहा था कि CBI की चार्जशीट में उनके बयान के नाम पर दस्तावेज जाली और मनगढ़ंत थे। इस यू-टर्न ने मामले को और पेचीदा कर दिया है।

28 साल की विधि स्पेन में रहती हैं और छुट्टियों में मुंबई आती हैं। उन्होंने तीन दिन तक गवाह के तौर पर अपनी बात रखी।

उनका कहना है कि 2022 में तैयार किया गया यह हलफनामा उन्होंने तब दाखिल करने के लिए रखा था, अगर वह खुद कोर्ट में मौजूद न हो पातीं।

मुंबई में 14 आतंकी, 400 किलो RDX..., लश्कर-ए-जिहादी ने दी 34 गाड़ियों में बम रखने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई पुलिस को गुरुवार के दिन ट्रैफिक कंट्रोल रूम के वॉट्सऐप हेल्पलाइन पर एक धमकी भरा मैसेज मिला। इस मैसेज के मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच और अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए।

इस धमकी भरे मैसेज में दावा किया गया कि 14 आतंकी मुंबई में दाखिल हो चुके हैं और फिदायीन हमला करने की तैयारी में है। उन्होंने 400 किलो आरडीएक्स के साथ 34 गाड़ियों में बम रखे हैं।

क्राइम ब्रांच से लेकर ‍‌‌‍‍ॠ तक जांच में जुटी- इस मैसेज ने पुलिस को हाई अलर्ट पर ला दिया है, खासकर ऐसे वक्त में जब मायानगरी गणेश उत्सव की रौनक में डूबी है। पुलिस ने तुरंत इस धमकी की जांच शुरू कर दी। क्राइम ब्रांच से लेकर एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड तक, सभी एजेंसियां इस मामले की तह तक जाने में जुट गई हैं।

मैसेज में एक संगठन का नाम भी सामने आया है- लश्कर-ए-जिहादी। पुलिस इस संगठन की सच्चाई और मैसेज भेजने वाले की तलाश जुटी है।

पुलिस ने क्या जानकारी दी- मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को कहा अगर ये कथित बम विस्फोट हुआ तो पूरा शहर को हिलाकर रख। यह धमकी भरा कॉल ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन पर आया था।

पुलिस ने कहा कि धमकी भरे संदेश में दावा किया गया है कि मानव बम ले जाने वाली 34 कारों का इस्तेमाल 400 किलोग्राम आरडीएक्स विस्फोट करने के लिए किया जाएगा , जिससे एक करोड़ लोग मारे जाएंगे।

महिला IPS अफसर और डिप्टी सीएम अजित पवार के बीच तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार एक बार फिर चर्चा में हैं। इस चर्चा की वजह एक वायरल वीडियो हैं जिसमें वह सोलापुर की एक महिला आईपीएस अधिकारी को कथित तौर पर धमकाते नजर आ रहे हैं।

ये मामला अवैध मुरम (रेत जैसी मिट्टी) खनन को लेकर है, जिसके खिलाफ कार्रवाई करने गईं अफसर को अजित पवार ने फोन पर कथित रूप से डांट लगाई। ये वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है और लोग सवाल उठा रहे हैं। दरअसल सोलापुर के करमाला तालुका के कुरडु गांव में दो दिन पहले ये घटना हुई।

वहां अवैध मुरम खनन की शिकायत पर सब-डिविजनल पुलिस अफसर अंजना कृष्णा कार्रवाई करने पहुंची थीं। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मुरम के अवैध खनन को रोकने के लिए अफसर ने सख्त कदम उठाए। लेकिन गांव वालों ने इसका विरोध किया। इस बीच, NCP के स्थानीय कार्यकर्ता बाबा जगताप ने कथित तौर पर सीधे अजित पवार से फोन पर बात कराई।

इतना डेरिंग हुआ है क्या- वीडियो में साफ सुनाई देता है कि अजित पवार, बाबा जगताप के फोन पर छ्स्क्रअंजना कृष्णा से बात कर रहे हैं। अंजना ने उनसे कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं उपमुख्यमंत्री से बात कर रही हूं। कृपया मेरे नंबर पर सीधे कॉल करें।

बाढ़-आपदा से सिर्फ तीन राज्यों में सत्ताइस हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूस्खलन और बाढ़ के कारण पहाड़ से लेकर मैदान तक बड़ा नुकसान हुआ है। हजारों लोग बेघर हुए हैं, रोजगार घंचे बंद हैं तो फसलों को भारी क्षति पहुंचने से किसानों की कमर टूट गई है। हालात ऐसे हैं कि प्रशासन अभी नुकसान का सही आकलन करने की स्थिति में नहीं है। प्रारंभिक तौर पर सिर्फ जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में 27,190 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर में हालिया बाढ़ ने आधारभूत ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

पीएम मोदी और ईयू के शीर्ष नेतृत्व ने दिसंबर तक FTA करने का जताया संकल्प, यूक्रेन-रूस में शांति को लेकर भी हुई बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने गुरुवार को दिसंबर तक बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर मुहर लगाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और 27 देशों के समूह ईयू के शीर्ष नेताओं एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वान डेर लेयेन ने अमेरिका की विघटनकारी व्यापार नीतियों के बीच एक नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था को बढ़ावा देने का भी संकल्प लिया।

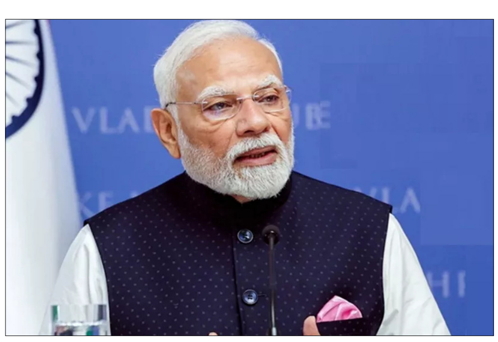

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष व यूरोपीय आयोग की प्रमुख के साथ हुई फोन पर बात

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा और यूरोपीय आयोग की प्रमुख वान डेर लेयेन के साथ एक संयुक्त फोन काल में मोदी ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और शांति व स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया।

तीनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत- भारत की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि नेताओं ने वैश्विक मुद्दों के संयुक्त समाधान, स्थिरता को बढ़ावा देने और पारस्परिक समृद्धि के लिए नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने में भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी की भूमिका को रेखांकित किया। तीनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत ऐसे समय हुई है, जब भारत ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहा है।

तीनों नेताओं ने आपसी सुविधानुसार जल्द से जल्द भारत में अगला भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर भी चर्चा की और प्रधानमंत्री मोदी ने कोस्टा और वान डेर लेयेन को इसके लिए आमंत्रित किया।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते जल्दी पूरा करने पर हुआ विचा- एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में मोदी ने बातचीत को बहुत अच्छा बताया। उन्होंने कहा, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आइएमईईसी) के कार्यान्वयन के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

आपसी हित के मुद्दों और यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हम इस बात पर सहमत हुए कि स्थिरता को बढ़ावा देने और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने में हमारी रणनीतिक साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। यूक्रेन संघर्ष पर वान डेर लेयेन ने कहा कि रूस को युद्ध समाप्त करने और शांति की दिशा में मार्ग बनाने में मदद करने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पाकिस्तान से कहीं ज्यादा जरूरी है इंडिया..., पूर्व अमेरिकी राजनयिकों ने ट्रंप को भारत से पंगा लेने पर किया सावधान

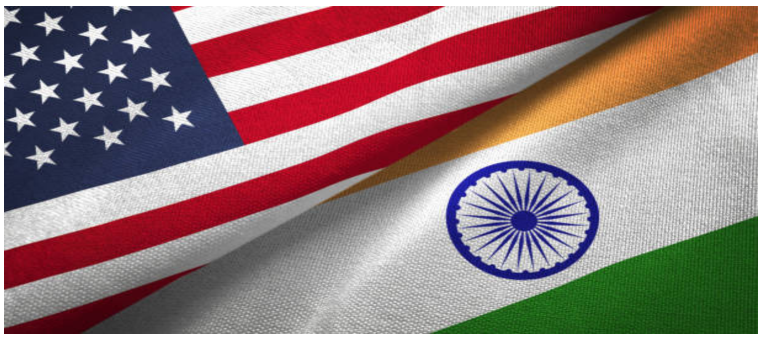

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारतीय आयात पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने से भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते अभूतपूर्व तरीके से बदल गए हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापारिक और राजनयिक रिश्ते सर्द होते जा रहे हैं। लेकिन जो बाइडेन प्रशासन के पूर्व शीर्ष अधिकारी जेक सुलिवन और कर्ट कैंपबेल का मानना है कि यह साझेदारी इतनी अहम है कि इसे हर हाल में बचाना होगा।

उनका कहना है कि अगर यह रिश्ता कमजोर पड़ा तो अमेरिका न सिर्फ एक रणनीतिक दोस्त खो देगा, बल्कि चीन को तकनीकी और रणनीतिक बढ़त देने का खतरा भी बढ़ जाएगा।

रूस-चीन के करीब चला जाएगा भारत- दोनों नेताओं ने फॉरेन अफेयर्स में लिखे एक साझा लेख में भारत को अमेरिका का सबसे अहम वैश्विक साझेदार बताया और ट्रंप को चेताया कि उनकी नाटकीय हरकतें भारत को चीन और रूस जैसे देशों के करीब धकेल सकती हैं।

सुलिवन और कैंपबेल ने हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गर्मजोशी भरी मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि अगर अमेरिका ने भारत के साथ रिश्तों को सुधारने की कोशिश न की, तो भारत को नुकसान उठाना पड़ सकता है। भारत न सिर्फ चीन जैसे पड़ोसी से दबाव में आ सकता है, बल्कि तकनीक, शिक्षा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में अमेरिका के साथ सहयोग भी कमजोर पड़ सकता है।

भारत-पाकिस्तान को एक चश्मे से देखने की गलती न करें- सुलिवन और कैंपबेल ने सलाह दी कि अमेरिका को भारत और पाकिस्तान को एक साथ जोड़कर देखने की नीति से बचना चाहिए। उनका कहना है कि भारत के साथ रिश्ते पाकिस्तान से कहीं ज्यादा अहम हैं।

हाल ही में ट्रंप ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर से मुलाकात की और व्यापार, आर्थिक विकास और क्रिप्टोकरेंसी जैसे मुद्दों पर बात की।

इसके बाद अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ एक व्यापारिक समझौता किया और उसके कथित विशाल तेल भंडार को विकसित करने में मदद का वादा किया। उसी दौरान भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ भी लगा दिया गया।

दोनों पूर्व अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका को पाकिस्तान के साथ आतंकवाद और परमाणु प्रसार जैसे मुद्दों पर सहयोग करना चाहिए, लेकिन भारत के साथ रिश्तों की तुलना में यह कम अहम है।

ट्रंप को झटका देने की तैयारी! एक तस्वीर से बढ़ेगी अमेरिका की टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए बातचीत का दौर जारी है। गुरुवार को ईयू के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपियन परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर लंबी बात की।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक टैरिफ नीति और विघटनकारी व्यापार नीतियों के बीच भारत और यूरोपियन यूनियन और यूरोपियन परिषद के नेताओं ने फोन पर बात कर कायदे-कानून से चलने वाली दुनिया बनाने का संकल्प लिया।

क्या-क्या हुई बात- इस बातचीत में भारत-श्व फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को जल्द पूरा करने के अलावा इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को अमल में लाने और यूक्रेन युद्ध को जल्द समाप्त करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री स्बीहा से भी बात की।

यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए भारत हर कोशिश कर रहा है।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा और यूरोपीय आयोग की प्रमुख लेयेन ने एक ज्वाइंट फोन कॉल के जरिए पीएम मोदी से बात की, जिसकी एक तस्वीर भी उन्होंने साझा की।

ट्रंप को बड़ा मैसेज- इस फोन कॉल के दौरान वर्ल्ड पॉलिटिक्स, संघर्ष और आर्थिक हितों पर चर्चा हुई। यूरोप के दिग्गज संगठनों का भारत के पीएम नरेंद्र मोदी क साथ संवाद की ये तस्वीर अमेरिका के लिए बड़ा मैसेज है। तीनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत ऐसे समय में हुई है जब ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है।

भारत में होगा अगला शिखर सम्मेलन- इस दौरान तीनों नेताओं ने आपसी सुविधानुसार जल्द से जल्द भारत में अगला भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर भी चर्चा की और पीएम मोदी ने कोस्टा और लेयेन को इसके लिए आमंत्रित भी किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस बातचीत को बहुत अच्छा बताया।

एप्पल हो या गूगल, US में कौन कितना लगाएगा पैसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में गुरुवार को बड़ी टेक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ खास डिनर का आयोजन किया। इस मौके पर ट्रंप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर हो रहे शोध को दिखाया और देशभर में कंपनियों द्वारा किए जा रहे बड़े निवेश की जमकर तारीफ की।

ट्रंप ने टेबल पर बैठे दिग्गजों को हाई IQ लोग कहकर संबोधित किया और कहा कि ये हमारे देश को एक नए स्तर पर ले जाएंगे। इस बैठक में मेटा, गूगल, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट और अन्य बड़ी कंपनियों के प्रमुख शामिल थे।

कंपनियों ने कितना किया निवेश- ट्रंप ने खासतौर पर यह जानना चाहा कि कंपनियां अमेरिका में कितना निवेश कर रही है। मेटा के मार्क जुकरबर्ग और एप्पल के टिम कुक ने 600 अरब डॉलर के निवेश का एलान किया। गूगल के सुंदर पिचाई ने 250 अरब डॉलर और माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला ने 80 अरब डॉलर प्रतिवर्ष निवेश की जानकारी दी।

हालांकि, इस बैठक में एलन मस्क मौजूद नहीं थे। कभी ट्रंप के करीबी मान जाने वाले मस्क का इस अमेरिकी राष्ट्रपति से सार्वजनिक विवाद हुआ था। उनकी जगह इस डिनर में OpenAI के सैम ऑल्टमैन शामिल हुए।

लगता है हमने भारत-रूस को खो दिया, टैरिफ थोपने के बाद ट्रंप ने बयां किया दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्र्पति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि लगता है हमने भारत को खो दिया है। ट्रंप की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा हुआ है और भारत, रूस और चीन एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, ऐसा लगता है कि हमने हमने भारत और रूस को सबसे गहरे और सबसे अंधकारमय चीन के हाथों खो दिया है। ईश्वर करे कि उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो।

अर्जेंटीना में यूरोपीय पेंटिंग को लेकर फंसे नाजी अधिकारी की बेटी और दामाद, 80 साल पुराने केस में अब हुई कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान यहूदियों से लूटी गई कला का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। अर्जेंटीना की अदालत ने नाजी अधिकारी की बेटी और उसके दामाद पर आरोप लगाया है कि उन्होंने चोरी की कलाकृतियों को छिपाकर रखा था। इनमें मशहूर फ्रांसीसी चित्रकार हेनरी मातिस की 22 पेंटिंग और अन्य कलाकृतियां शामिल हैं।

अर्जेंटीना में बीते महीने एक प्रॉपर्टी विज्ञापन में 18वीं सदी की एक पेंटिंग दिखाई दी। यह पेंटिंग इटली के बारोक कलाकार ज्यूसेप्पे घिसलांदी की पोर्ट्रेट ऑफ अ लेडी थी। खास बात यह है कि यह चित्र 80 साल से गायब था और इसे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान एक डच कला संग्राहक जैक गॉडस्टिकर से छीन लिया गया था।

किसके पास से बरामद की गई पेंटिंग- पुलिस को सूचना मिली तो उन्होंने छापेमारी शुरू की। खोज के दौरान मातिस की 22 पेंटिंग्स और कई अन्य कलाकृतियां अर्जेंटीना के मार डेल प्लाटा शहर में नाजी अधिकारी फ्रेडरिक काडजीन के परिवार के पास से बरामद की गईं।

जांच में सामने आया कि चोरी की गई पेंटिंग्स काडजीन की बेटी पैट्रिसिया काडजीन और उसके पति के घर पर थी। दोनों ने आखिरकार पोर्ट्रेट ऑफ अ लेडी पेंटिंग अधिकारियों को सौंप दी। गुरुवार को अदालत में पेश किए जाने पर दोनों पर कला छिपाने का मामला दर्ज हुआ। यह पेंटिंग करीब 50 हजार डॉलर की बताई जा रही है।

नाजियों ने किया कब्जा- पोर्ट्रेट ऑफ ए लेडी पेंटिंग मूल रूप से डच कला संग्राहक जैक गॉडस्टिकर के संग्रह का हिस्सा थी। 1940 में जब जर्मनी ने नीदरलैंड पर कब्जा किया तो गॉडस्टिकर की मृत्यु हो गई और उनकी कला-निधि को नाजियों ने कब्जे में ले लिया।

इधर ट्रेंड हुआ 'Trump Is Dead', उधर व्हाइट हाउस के आसपास Pizza की बढ़ गई डिमांड; क्या है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर अचानक एक ट्रेंड ने सबको चौंका दिया। एक्स पर हजारों लोगों ने 'Trump Is Dead' का हैशटैग का इस्तेमाल किया और टीवी व ऑनलाइन मीडिया पर इसकी पुष्टि की खोज करने लगे।

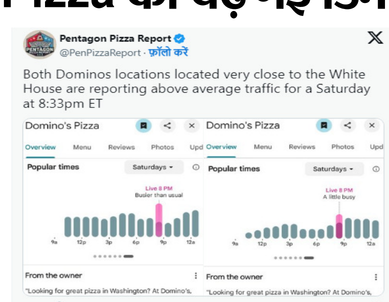

इसी दौरान पेंटागन पिज्जा रिपोर्ट नाम का एक अकाउंट एक्टिव हुआ, जो व्हाइट हाउस और पेंटागन के आसपास की पिज्जा दुकानों की गतिविधियों पर नजर रखता है। उसका दावा है कि जब इन दुकानों में असामान्य भीड़ दिखती है, तो इसका मतलब है कि अमेरिका में कुछ बड़ा चल रहा है।

अचानक बढ़ी भीड़- 31 अगस्त की रात 8.33 बजे पेंटागन पिज्जा रिपोर्ट ने पोस्ट किया कि व्हाइट हाउस के पास दोनों डोमिनोज पर असामान्य भीड़ थी। उसी रात 1.30 बजे भी सबसे नजदीकी डोमिनोज और पापा जोन्स पर भीड़ बढ़ी हुई थी। यह गतिविधि अगले दो दिनों तक जारी रही।

1 और 2 सितंबर की रात में भी इन पिज्जा दुकानों पर काफी ज्यादा ग्राहक पहुंचे। 2 सितंबर को शाम 8 बजे व्हाइट हाउस के पास स्थित डोमिनोज पर असाधारण भीड़ देखी गई, जबकि पेंटागन के पास वाले डोमिनोज और पापा जोन्स पर भी ट्रैफिक सामान्य से ऊपर था।

जेडी वेंस ने क्या कहा था- दिलचस्प बात यह है कि इस ट्रेंड से कुछ दिनों पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से पूछा गया था कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कोई भयानक हादसा हो गया तो क्या वे तैयार हैं? इस पर उन्होंने कहा था कि ट्रंप बिल्कुल फिट और एक्टिव हैं, लेकिन किसी भी अनहोनी को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

सैन्य कब्जा नहीं चाहिए, ट्रंप के कदम के खिलाफ मुकदमा दायर; नए विवाद में फंसे अमेरिकी राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नेशनल गार्ड को तैनात करने पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। डीसी के अटॉर्नी जनरल ब्रायन श्वालब ने इसे अवैध बताते हुए संघीय अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

उनका कहना है कि किसी भी भी अमेरिकी क्षेत्र को उसकी इच्छा के खिलाफ सैन्य कब्जे का शिकार नहीं बनाया जा सकता। बता दें, ट्रंप प्रशासन ने अपराध घटाने के नाम पर वाशिंगटन में 1 हजार से अधिक नेशनल गार्ड को तैनात किया है।

व्हाइट हाउस का दावा- व्हाइट हाउस का दावा है कि राष्ट्रपति के पास यह अधिकार है और इससे राजधानी में अपराध कम हुआ है। लेकिन वाशिंगटन के अटॉर्नी जनरल ने कहा कि यह कदम होम रूल एक्ट 1973 का उल्लंघन है, जो राजधानी को कुछ हद कर स्वायत्ता देता है।

ट्रंप का एलान- वहीं, ट्रंप ने एलान किया है कि वे इसी तरह गार्डों को शिकागो और बाल्टीमोर जैसे अन्य शहरो में भी भेजेंगे। जबकि, वहां की स्थानीय सरकारें इसके खिलाफ हैं। वाशिंगटन की मेयर म्यूरियल बाउजर ने अपराध में गिरावट मानते हुए भी गार्ड की तैनाती पर संदेह जताया है।

ट्रंप के करीबी के ब्राह्मण मुनाफाखोर वाली टिप्पणी पर भड़का विदेश मंत्रालय

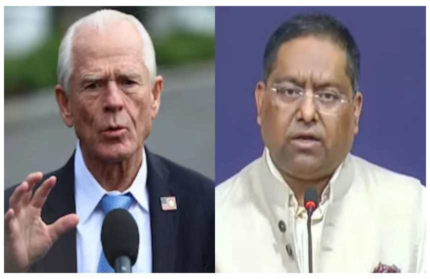

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की टिप्पणियों को गलत बताते हुए खारिज कर दिया। भारत को उम्मीद है कि अमेरिका के साथ संबंध आपसी सम्मान और हितों के आधार पर आगे बढ़ेंगे।

भारत सरकार ने कहा कि वह अमेरिका के साथ अपने संबंधों में ठोस एजेंडा पर ध्यान केंद्रित किए हुए है और उसे उम्मीद है कि दोनों देशों के संबंध आपसी सम्मान और हितों के आधार पर आगे बढ़ेंगे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए 50 प्रतिशत टैरिफ का बचाव करते हुए नवारो ने दावा किया था कि ब्राह्मण भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफा कमा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जयसवाल ने कहा, दोनों देशों के बीच एक व्यापक, वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जो साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जन-स्तरीय संबंधों पर आधारित है। यह साझेदारी कई उतार-चढ़ावों और चुनौतियों का सामना कर चुकी है। हम दोनों देशों के बीच तय किए गए महत्वपूर्ण एजेंडे पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं और हमें उम्मीद है कि आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर यह संबंध आगे बढ़ता रहेगा।

नवारो ने क्या कहा था- यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी के तौर पर जाने जाने वाले नवारो ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत की आलोचना की है। उनका आरोप है कि इससे यूक्रेन में संघर्ष और बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत यूरोपीय, अफ्रीकी और एशियाई बाजारों में रूसी तेल बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। एक बयान में उन्होंने यह भी कहा कि रूस से तेल खरीदकर भारत में सिर्फ ब्राह्मण ही मुनाफा कमा रहे हैं और भारतीयों को इसे रोकना चाहिए।

बाढ़ और उफनती नदियों ने मचाया तांडव; पंजाब, दिल्ली और हिमाचल त्रस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में इस बार मानसून ने जमकर तबाही मचाई है। पिछले 14 सालों में ऐसा पहला मौका आया है जब लगातार दो हफ्तों तक इतनी बारिश हुई। मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, 22 अगस्त से 4 सितंबर के बीच उत्तर भारत में सामान्य से करीब तीन गुना ज्यादा बारिश हुई है। इस दौरान जम्मू-कश्मीर में वैष्णो देवी मार्ग पर बादल फटने, पंजाब में दशकों बाद सबसे बड़ी बाढ़, दिल्ली में यमुना का जलस्तर तीसरे सबसे ऊंचे स्तर तक पहुंचना और हिमाचल-उत्तराखंड में भारी भूस्खलन जैसी घटनाएं हुईं।

क्या कहते हैं आंकड़े- आंकड़ों के मुताबिक, इन 14 दिनों में उत्तर भारत में औसतन 205.3 मिमी बारिश दर्ज की गई जबकि सामान्य तौर पर यह सिर्फ 73.1 मिमी होती है। यानी सिर्फ दो हफ्तों की बारिश से ही पूरे मानसून का 35त्न कोटा पूरा हो गया।

1 जून से लेकर 4 सितंबर तक उत्तर भारत में 691.7 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 37त्न ज्यादा है। अगर सितंबर के बाकी दिनों में सामान्य बारिश भी हुई तो यह आंकड़ा 750 मिमी से ऊपर जा सकता है। यह 1988 के बाद दूसरा सबसे ज्यादा बारिश वाला मानसून होगा।

भारत को तोड़ने और खालिस्तानी नक्शे के साथ किया था विवादित पोस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने ऑल्ट्रिया के अर्थशास्त्री गुनथर फेलिंगर-याह्ल का एक्स अकाउंट ब्लॉक कर दिया है। उसने एक विवादित पोस्ट में भारत को तोड़ने की अपील की थी और खालिस्तान का नक्शा साझा किया था। फेलिंगर-याह्ल ने लिखा । Call to dismantle India into ExIndia. गृह मंत्रालय और इलेक्टॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने इस पोस्ट को गंभीर मानते हुए तुरंत एक्स को निर्देश दिया। इसके बाद भारत में उसका अकाउंट बंद कर दिया गया।

कौन हैं गुनथर फेलिंगर-याह्ल- फेलिंगर-याह्ल ऑस्ट्रियाई कमेटी के अध्यक्ष हैं, जो यूक्रेन, कोसोवो, बोस्निया और ऑस्ट्रिया की नाटो सदस्यता का समर्थन करता है। इसके अलावा वे साउदर्न बाल्कन इकोनॉमिक इंटीग्रेशन नामक ग्रुप के बोर्ड में भी हैं।

हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह कोई सरकारी पद पर नहीं है। इस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं है। इस बयान से साफ है कि भारत इस मुद्दे को ऑस्ट्रियाई सरकार के सामने नहीं उठाएगा।

फेलिंगर-याह्ल के विवादित पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर भारतीय यूजर्स ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। कई लोगों ने इसे भारत की एकता और संप्रभुता पर हमला बताया। गौरतलब है कि जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रिया का दौरा किया था।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी, 60 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। मामला निवेश के नाम पर एक व्यवसायी से 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है।

समाचार चैनल एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि शिल्पा और राज पर बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के लिए ये धोखाधड़ी की थी। बिजनेसमैन दीपक कोठारी का आरोप है कि शिल्पा और राज ने अपने बिजनेस को बढ़ाने के नाम पर उससे 60 करोड़ रुपये लिए थे।

शिल्पा शेट्टी ने ली थी गारंटी- कोठारी ने कहा कि दोनों ने इस रकम को अपने पर्सनल खर्चों में उड़ा दिया। पहले उसे कहा गया कि यह रकम लोन के तौर पर ली जा रही है, लेकिन बाद में टैक्स बचाने का दावा करते हुए इसे इंवेस्टमेंट के तौर पर दिखाया गया। कोठारी ने कहा कि इस रकम पर 12 फीसदी का सालाना ब्याज देने का भी वादा किया गया था।

दीपक कोठारी ने ये भी कहा कि शिल्पा शेट्टी ने खुद उन्हें लिखित रूप में इसकी गारंटी दी थी, लेकिन बाद में शिल्पा ने फर्म के डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया। कोठारी ने कहा कि उन्हें काफी बाद में पता चला कि कंपनी के खिलाफ 1.28 करोड़ रुपये के दिवालियापन का मामला भी चल रहा है।

हालांकि शिल्पा और राज की तरफ से इन सभी आरोपों का खंडन किया गया है और इसके बदनाम करने के उद्देश्य से लगाए गए आरोप कहा है। आर्थिक अपराध शाखा शिल्पा और राज के ट्रैवल रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है और कंपनी के ऑडिटर को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

सरकार का दिवाली तोहफा: 22 सितंबर से लग्जरी और छोटी दोनों गाड़ियां होंगी सस्ती, कारों पर कितने घट जाएंगे दाम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी में सरकार ने जो सुधार किए हैं, वो 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे। जीएसटी काउंलिस ने रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले सामान से लेकर गाड़ी, एसी-फ्रिज और टीवी समेत कुल 453 उत्पादों पर जीएसटी दर में बदलाव किया है, जिनमें से 413 पर दरें घटी और सिर्फ 40 पर बढ़ी हैं। जो लोग नवरात्रि, दशहरा और दिवाली पर कार या लग्जरी कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं, उनके लिए अच्छी खबर है।

जीएसटी में सुधार के बाद छोटी कारों पर कितना जीएसटी लगेगा, लग्जरी कारों पर जीएसटी दर कितनी हो जाएगी -

सबसे पहले ये जान लीजिए कि केंद्र सरकार ने दूसरी पीढ़ी के आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाते हुए जीएसटी को चार स्लैब के बजाय अब दो स्लैब- 5% और 18% में कर दिया है।

जिन सामानों पर जीएसटी की दरें घटाई गई हैं, उनमें 295 जरूरी उत्पाद ऐसे हैं, जिन पर पहले 12% जीएसटी लगता था, लेकिन अब 5 प्रतिशत या शून्य हो गया। इसके अलावा, लग्जरी सामानों पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। सरकार के इस फैसले से आम लोगों को महंगाई से राहत मिलने और मांग में तेजी आने की उम्मीद है।

26 लाख तक सस्ती हो सकती हैं लग्जरी कारें- लग्जरी /बड़ी कारों पर अभी तक 28% जीएसटी लगता है और 22% सेस लगता था। ऐसे में लग्जरी /बड़ी कार खरीदने के दौरान खरीदार 50 प्रतिशत तक टैक्स चुकाते थे। अब लग्जरी /बड़ी कारों (1500 सीसी से ज्यादा इंजन वाली या 4 मीटर से अधिक लंबी) पर GST 40% कर दिया है। साथ ही सेस को हटा दिया है। नई कर व्यवस्था से लग्जरी /बड़ी कारों को खरीदने पर 8% से 10% तक की बचत होगी।

छोटी कारों भी होंगी सस्ती- इसी तरह छोटी कारों पर अभी 28 प्रतिशत जीएसटी लगाता है। इसके अलावा सेस भी लगता है। लेकिन नई कर व्यवस्था के तहत छोटी कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है और सेस को खत्म कर दिया है। मारुति वैगन आर की कीमत 60 से 67 हजार तक घटेगी।

बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस ने जलाई बीड़ी; गुस्साई BJP, सियासी आग के बीच लालू ने जोड़ा गुजरात कनेक्शन

Item	Current GST Rate	Proposed GST
Cigars and cigarettes	28%	40%
Bidis	28%	18%
Tobacco	28%	40%

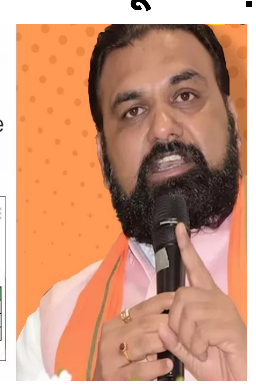

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की केरल इकाई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट से बिहार के सियासी अखाड़ें में तूफान मचा दिया है। इस पोस्ट में केंद्र सरकार की जीएसटी नीतियों पर तंज कसते हुए बीड़ी और बिहार को एक साथ जोड़ा गया, जिसे बिहार के नेताओं ने अपमानजनक बताया है।

कांग्रेस ने अपने पोस्ट में कहा कि बीड़ी और बिहार दोनों बी से शुरू होते हैं और अब इन्हें पाप नहीं माना जा सकता, क्योंकि केंद्र ने बीड़ी पर जीएसटी कम कर दिया। यह पोस्ट अब डिलीट हो चुका है, लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा।

बिहार के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता सम्राट चौधरी ने इस पोस्ट को पूरा बिहार का अपमान बताया है। उन्होंने इसे कांग्रेस की असली सोच बताया, जो बार-बार सामने आ रही है।

कांग्रेस की केरल इकाई ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट डाला, जिसमें जीएसटी में बदलाव को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा गया। पोस्ट में लिखा गया, बीड़ी और बिहार, दोनों बी से शुरू होते हैं, और अब इन्हें पाप नहीं माना जा सकता।

यह तंज बीड़ी पर जीएसटी की दरों में कटौती को लेकर था। बीजेपी का कहना है कि बिहार को बीड़ी के साथ जोड़कर पूरे राज्य की छवि को खराब करने की कोशिश की गई। पोस्ट के वायरल होने के बाद कांग्रेस ने इसे हटा लिया, लेकिन तब तक बीजेपी ने इस मुद्दे को हवा दे दी।

लालू यादव ने पीएम मोदी पर कसा तंज- राजद सुप्रीमो लालू यादव ने बिहार चुनाव से पहले पीएम मोदी पर तंज कसा है। लालू ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ऐ मोदी जी, विक्ट्री चाहिए बिहार से और फैक्ट्री दीजिएगा गुजरात में? ये गुजराती फार्मूला बिहार में नहीं चलेगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थदशी

संपादकीय

भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं

भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं। वैश्वीकरण, अमेरिकी टैरिफ,तेल कीमतों की अनिश्चितता, महामारी के झटके और डिजिटल क्रांति के बीच भारतीय कर प्रणाली को समय- समय पर नए स्वरूप की आवश्यकता महसूस होती रही है। इसी कड़ी में 3-4 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक ऐतिहासिक साबित हुई,जब इसमें टैक्स स्लैब को पुनर्संरचित कर 12 पर्सेंट और 28 पर्सेंट की दरों को समाप्त कर दिया गया और सैकड़ों उत्पादों को 5 व 18 पर्सेंट टैक्स स्लैब में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अनेक आवश्यक वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डाल दिया गया,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इससे गरीबों किसानों और मध्यम वर्ग के लिए जीवन यापन आसान होगा।यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा।

साथियों बात अगर हम जीएसटी क्या है?और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की करें तो,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा अप्रत्यक्ष कर है, जिसे 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में लागू किया गया। जीएसटी का मूल उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा को साकार करना था। इससे पहले केंद्र और राज्य स्तरपर उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, एंट्री टैक्स और लगान जैसी अनेक परतों वाले कर प्रणाली लागू थे,जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सबको समेटकर एक एकीकृत कर ढांचा दिया।आज की तारीख में दुनियाँ के 150 से अधिक देशों में इसी तरह का जीएसटी सिस्टम किसी-न-किसी रूप में लागू है। कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ के अधिकांश देश, मलेशिया, सिंगापुर और यहां तक कि ब्राजील जैसे बड़े देश भी जीएसटी आधारित कर व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।भारत का नया सुधार इसलिए भीमहत्वपूर्ण है क्योंकि अब वह वैश्विक मानकों के अनुरूप टैक्स ढांचे को और सरल बना रहा है।

साथियों बात अगर हम नए ढांचे का स्वरूप, नए टैक्स स्लैब की करें तो, नए सुधार के बाद भारत में अब टैक्स ढांचा मुख्यतः तीन बड़े स्लैब पर केंद्रित हो गया है, 0 पर्सेंट 5 पर्सेंट और 18 पर्सेंट- 0 पर्सेंट स्लैब-गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतों से जुड़े खाद्यान्न, दालें, फल, सब्जियां, स्कूल किताबें, प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और जीवनरक्षक दवाइयां इसमें शामिल हैं। यह स्लैब सीधे तौर पर समाज के कमजोर तबकों को राहत देने के लिए बनाया गया है।5 पर्सेंट स्लैब,इसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और छोटे व्यापार से संबंधित सामान आते हैं।18 पर्सेंट स्लैब- इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, बीमा,निर्माण कार्य,उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं,औद्योगिक उत्पादन, लक्जरी सामान और उच्च मूल्य के कंज्यूमर गुड्स शामिल हैं।12पर्सेंट और 28 पर्सेंट स्लैब हटाने से टैक्स ढांचा सरल हुआ है। पहले जहां चार से अधिक प्रमुख दरें थीं,अब यह तीन स्लैबों में सिमट गया है,जिससे न केवल व्यापारियों के लिए टैक्स अनुपालन आसान होगा बल्कि आम उपभोक्ता को भी स्पष्टता मिलेगी।

साथियों बातें अगर हम किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ? इसको समझने की करें तो,नए ढांचे के सबसे बड़े लाभार्थी वे क्षेत्र हैं जो प्रत्यक्ष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग और सामाजिक जरूरतों से जुड़े हैं।

अनन्त चतुर्दशी

अनन्त चतुर्दशी का व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को किया जाता है। इस व्रत में अनन्त के रूप में भगवान श्रीहरि विष्णु की पूजा होती है। अनन्त चतुर्दशी के दिन पुरुष दाहिने हाथ में तथा नारियाँ बाँये हाथ में अनन्त धारण करती हैं। अनन्त कपास या रेशम के धागे से बने होते हैं, जो कुंकमी रंग में रंगे जाते हैं तथा इनमें चौदह गाँठे होती हैं। इन्हीं धागों से अनन्त का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक या धार्मिक उत्सव नहीं होता। अग्नि पुराण में इसका विवरण है। चतुर्दशी को दर्भ से बनी श्रीहरि की प्रतिमा, जो कलश के जल में रखी होती है, की पूजा होती है। व्रती को धान के एक प्रस्थ (प्रसर) आटे से रोटियाँ (पूड़ी) बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष अर्धांश स्वयं प्रयोग में लाता है।

पौराणिक उल्लेख- अनन्त चतुर्दशी का व्रत नदी-तट पर किया जाना चाहिए और वहाँ हरि की कथाएँ सुननी चाहिए। हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है-

हे वासुदेव, इस अनन्त संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनन्त के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनन्त रूप वाले तुम्हें नमस्कार।

इस मन्त्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बाँधकर या लटका कर व्रती अनन्त व्रत करता है तथा प्रसन्न होता है। यदि हरि अनन्त हैं तो 14 गाँठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की द्योतक हैं। हेमाद्रि में अनन्त व्रत का विवरण विशद रूप से आया है, उसमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गयी कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी आयी है। कृष्ण का कथन है कि अनन्त उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं, जिसे अनन्त कहा जाता है। अनन्त व्रत चन्दन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में अन्य बातों के लिए। ऐसा आया है कि यदि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाय तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है। इस व्रत के उपयुक्त एवं तिथि के विषय में कई मत प्रकाशित हो गये हैं। माधव के अनुसार इस व्रत में मध्याह्न कर्मकाल नहीं है, किन्तु वह तिथि, जो सूर्योदय के समय तीन मुहर्तों तक अवस्थित रहती है, अनन्त व्रत के लिए सर्वोत्तम है। किन्तु निर्णयसिन्ध ने इस मत का खण्डन किया है। आजकल अनन्त चतुर्दशी व्रत किया तो जाता है, किन्तु व्रतियों की संख्या धीरे-धीरे कम होती जा रही है।

व्रत विधि

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज़्यादा अच्छा है। जैसा इस व्रत के नाम से लक्षित होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता निर्गुण ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस दिन भक्तगण लौकिक कार्यकलापों से मन को हटाकर ईश्वर भक्ति में अनुरक्त हो जाते हैं। इस दिन वेद ग्रंथों का पाठ करके भक्ति की स्मृति का डोरा बांधा जाता है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है। इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रातत्काल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनन्त की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकुम, केसर या हल्दी से रंगकर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनन्त भी रखा जाता है।

कुश के अनन्त की वंदना करके, उसमें भगवान विष्णु का आह्वान तथा ध्यान करके गंध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य आदि से पूजन करें। तत्पश्चात् अनन्त देव का ध्यान करके शुद्ध अनन्त को अपनी दाहिनी भुजा पर बांध लें। यह डोरा भगवान विष्णु को प्रसन्न करने वाला तथा अनन्त फल देने वाला माना गया है। यह व्रत धन पुत्रादि की कामना से किया जाता है। इस दिन नए डोरे के अनन्त को धारण करके पुराने का त्याग कर देना चाहिए। इस व्रत का पारण ब्राह्मण को दान करके करना चाहिए। अनन्त की चौदह गांठे चौदह लोकों की प्रतीत मानी गई हैं। उनमें अनन्त भगवान विद्यमान हैं। भगवान सत्यनारायण के समान ही अनन्त देव भी भगवान विष्णु का ही एक नाम है। यही कारण है कि इस दिन सत्यनारायण का व्रत और कथा का आयोजन प्रायत्र किया जाता है, जिसमें सत्यनारायण की कथा के साथ-साथ अनन्त देव की कथा भी सुनी जाती है।

कथा- ह्यएक बार महाराज युधिष्ठिर ने राजसूय यज्ञ किया। उस समय यज्ञ मण्डप का निर्माण सुंदर तो था ही, अद्भुत भी था। वह यज्ञ मण्डप इतना मनोरम था कि जल व स्थल की भिन्नता प्रतीत ही नहीं होती थी। जल में स्थल तथा स्थल में जल की भांति प्रतीत होती थी। बहुत सावधानी करने पर भी बहुत से व्यक्ति उस अद्भुत मण्डप में धोखा खा चुके थे। एक बार कहीं से टहलते-टहलते दुर्योधन भी उस यज्ञ-मण्डप में आ गया और एक तालाब को स्थल समझ उसमें गिर गया। द्रौपदी ने यह देखकर अंधों की संतान अंधी कहकर उनका उपहास किया। इससे दुर्योधन चिढ़ गया। यह बात उसके हृदय में बाण के समान लगी। उसके मन में द्वेष उत्पन्न हो गया और उसने पाण्डवों से बदला लेने की ठान ली। उसके मस्तिष्क में उस अपमान का बदला लेने के लिए विचार उपजने लगे। उसने बदला लेने के लिए पाण्डवों को द्यूत-क्रीड़ा में हराकर उस अपमान का बदला लेने की सोची। उसने पाण्डवों को जुए में पराजित कर दिया। पराजित होने पर प्रतिज्ञानुसार पाण्डवों को बारह वर्ष के लिए वनवास भोगना पड़ा। वन में रहते हुए पाण्डव अनेक कष्ट सहते रहे।

श्रीकृष्ण द्वारा कथा वाचन- एक दिन भगवान कृष्ण जब मिलने आए, तब युधिष्ठिर ने उनसे अपना दुत्ख कहा और दुत्ख दूर करने का उपाय पूछा। तब श्रीकृष्ण ने कहा- हे युधिष्ठिर! तुम विधिपूर्वक अनन्त भगवान का व्रत करो, इससे तुम्हारा सारा संकट दूर हो जाएगा और तुम्हारा खोया राज्य पुनत्र प्राप्त हो जाएगा। इस संदर्भ में श्रीकृष्ण एक कथा सुनाते हुए बोले-

प्राचीन काल में सुमन्त नाम का एक नेक तपस्वी ब्राह्मण था। उसकी पत्नी का नाम दीक्षा था। उसके एक परम सुंदरी धर्मपरायण तथा ज्योतिर्मयी कन्या थी, जिसका नाम सुशीला था। सुशीला जब बड़ी हुई तो उसकी माता दीक्षा की मृत्यु हो गई। पत्नी के मरने के बाद सुमन्त ने कर्कशा नामक स्त्री से दूसरा विवाह कर लिया। सुशीला का विवाह उस ब्राह्मण ने कौडिन्य ऋषि के साथ कर दिया। विदाई में कुछ देने की बात पर कर्कशा ने दामाद को कुछ ईंटें और पत्थरों के टुकड़े बांधकर दे दिए। कौडिन्य ऋषि दुत्खी हो अपनी पत्नी को लेकर अपने आश्रम की ओर चल दिए। परन्तु रास्ते में ही रात हो गई। वे नदी तट पर सन्ध्या करने लगे। सुशीला ने देखा वहाँ पर बहुत-सी स्त्रियाँ सुंदर वस्त्र धारण कर किसी देवता की पूजा पर रही थीं। सुशीला के पूछने पर उन्होंने विधिपूर्वक अनन्त व्रत की महत्ता बताई। सुशीला ने वहीं उस व्रत का अनुष्ठान किया और चौदह गांठों वाला डोरा हाथ में बांधकर ऋषि कौडिन्य के पास आ गई।

कौडिन्य ने सुशीला से डोरे के बारे में पूछा तो उसने सारी बात बता दी। उन्होंने डोरे को तोड़कर अग्नि में डाल दिया इससे भगवान अनन्त जी का अपमान हुआ। परिणामतत्र ऋषि कौडिन्य दुत्खी रहने लगे। उनकी सारी सम्पत्ति नष्ट हो गई। इस दरिद्रता का उन्होंने अपनी पत्नी से कारण पूछा तो सुशीला ने अनन्त भगवान का डोरा जलाने की बात कहीं। पश्चाताप करते हुए ऋषि कौडिन्य अनन्त डोरे की प्राप्ति के लिए वन में चले गए।

वन में कई दिनों तक भटकते-भटकते निराश होकर एक दिन भूमि पर गिर पड़े। तब अनन्त भगवान प्रकट होकर बोले- हे कौडिन्य! तुमने मेरा तिरस्कार किया था, उसी से तुम्हें इतना कष्ट भोगना पड़ा। तुम दुत्खी हुए। अब तुमने पश्चाताप किया है। मैं तुमसे प्रसन्न हूँ। अब तुम घर जाकर विधिपूर्वक अनन्त व्रत करो। चौदह वर्ष पर्यन्त व्रत करने से तुम्हारा दुत्ख दूर हो जाएगा। तुम धन-धान्य से सम्पन्न हो जाओगे। कौडिन्य ने वैसा ही किया और उन्हें सारे क्लेशों से मुक्ति मिल गई। श्रीकृष्ण की आज्ञा से युधिष्ठिर ने भी अनन्त भगवान का व्रत किया, जिसके प्रभाव से पाण्डव महाभारत के युद्ध में विजयी हुए तथा चिरकाल तक राज्य करते रहे।

सरकारी ऑर्डर मिलते ही रॉकेट की रफ्तार से भाग रहा ये स्मॉल कैप स्टॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरपीपी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 4% से ज्यादा की तेजी देखी गई। तेजी का कारण सरकारी ऑर्डर मिलना है। क्योंकि कंपनी ने ?134 करोड़ मूल्य का एक महत्वपूर्ण सरकारी ऑर्डर मिलने की घोषणा की। RPP Infra projects ltd को रायगढ़ जिले में सड़क सुधार कार्यों के लिए महाराष्ट्र राज्य अवसंरचना विकास निगम से 134.21 करोड़ का एक नया ऑर्डर मिला है। 708 करोड़ की मार्केट कैप वाली इस स्मॉल कैप कंपनी के शेयरों ने पिछले एक सप्ताह में 16 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। बहुत से शेयर इतना रिटर्न एक साल में देते हैं लेकिन इसने एक सप्ताह में ही दे दिया।

कंपनी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत माथेरान-नेरल-कालंब सड़क (एसएच-109) और लोभ्यांचीवाड़ी-सुगवे-पिंपलोली-नेरल सड़क (एमडीआर-104) का उन्नयन शामिल है, जो कर्जत तालुका में लगभग 31 किलोमीटर लंबी है।

एक सप्ताह में ही दिया तगड़ा रिटर्न- RPP Infra projects ltd के शेयर पिछले 5 दिनों में लगभग 10 फीसदी का रिटर्न दे चुके हैं। 29 अगस्त को इसका शेयर 131 रुपये में था और आज इसका शेयर इस समय 152 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। आज इसके शेयर 157 रुपये तक के स्तर तक गए। यानी 29 अगस्त से अब तक यह 16 फीसदी से अधिक का रिटर्न दे चुका है। हालांकि, पिछले एक साल से यह घाटे में चल रहा है। इस साल जनवरी से अब तक यह 26 फीसदी तक टूट चुका है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, आरपीपी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स को महाराष्ट्र राज्य अवसंरचना विकास निगम के मुख्य अभियंता से रायगढ़, महाराष्ट्र में माथेरान, नेरल कलंब रोड के सुधार के लिए 134.21 करोड़ रुपये के अनुबंध मूल्य के नए कार्य आदेश के लिए स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है।

कंपनी को मिला यह प्रोजेक्ट 12 महीनों में पूरा करना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख निर्धारित करने के लिए कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 6 सितंबर 2025 को निर्धारित की गई है। हाल ही में, कंपनी को भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड से 1,125.94 करोड़ रुपये का एक बड़ा ऑर्डर मिला था।

उभरते अवसरों में निवेश करने का एक स्मार्ट तरीका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सबसे ज्यादा फायदेमंद इन्वेस्टमेंट रिटर्न– और वह अल्फा जो किसी पोर्टफोलियो को काफी बूस्ट कर देता है–अक्सर तब मिलता है जब निवेशक किसी उभरते सेक्टर (एक नया या उभरता हुआ उद्योग जिसमें ग्रोथ की संभावना हो) को जल्दी पहचानकर उसमें निवेश करता है। हालांकि, ऐसे सेक्टर्स को उनके शुरुआती चरण में पहचानना आसान नहीं होता। ज्यादातर रिटेल इनवेस्टर्स साइकिल के अंत में एंट्री करते हैं, जब सेक्टर शुरुआती निवेशकों को पहले ही अच्छा-खासा रिटर्न दे चुका होता है। सेक्टर की ग्रोथ स्टोरी जब फ्लकचुएट करती है तब ये शुरुआती निवेशक नकारात्मक जोखिमों को झेलने के लिए बेहतर स्थिति में होते हैं।

तो सवाल यह है कि रिटेल निवेशक ऐसे उभरती थीम या उभरते सेक्टर में प्रभावी रूप से कैसे भाग ले सकते हैं, जो मल्टी-बैगर हो सकते हैं?

क्या है थीमैटिक म्यूचुअल फंड- सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है थीमैटिक म्यूचुअल फंड। इन फंडों का प्रबंधन अनुभवी प्रोफेशनल्स करते हैं जो स्ट्रांग पोटेंशियल वाले सेक्टर्स या थीम की पहचान करने के लिए गहन मार्केट इनसाइट, मैक्रोइकॉनॉमिक्स एनालिसिस और मल्टीपल मार्केट साइकिल के अनुभव का उपयोग करते हैं। फंड मैनेजर समझते हैं कि मार्केट लीडरशिप बदलती रहती है।

नोट कर लें तारीख, तैयार रखें डिस्काउंट के लिए ये वाले बैंक कार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी की दरों में बड़ी कटौती के बाद फ्लिपकार्ट ने बिग बिलियन डे सेल Flipkart Big Billion Days Sale की तारीखों का ऐलान कर दिया है। 23 सितंबर से ढेरों ऑफर्स के साथ फ्लिपकार्ट पर साल की सबसे बड़ी सेल की शुरुआत हो जाएगी। खास बात है कि नवरात्र के अवसर पर 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें प्रभावी होंगी और इसके एक दिन बाद 23 सितंबर से फ्लिपकार्ट पर बिग बिलियन डे सेल की शुरुआत हो रही है। अगर आप इस त्योहारी सीजन में इस ई-कॉमर्स साइट से शॉपिंग का मन बना रहे हैं तो खास ऑफर का लाभ उठाने के लिए दो खास बैंक के क्रेडिट कार्ड तैयार रखें। खास बात है कि फ्लिपकार्ट के प्राइम मेंबर्स के लिए यह सेल 22 सितंबर से लाइव हो जाएगी।

इन क्रेडिट कार्ड्स पर मिलेगा 10% इंस्टेट डिस्काउंट- फ्लिपकार्ट ने बिग बिलियन डेज सेल के लिए एक्सिस बैंक और ICICI बैंक से टाइप किया है, इसलिए इन बैंकों के क्रेडिट कार्ड पर 10 फीसदी इंस्टेंट डिस्काउंट मिलेगा। इसके अलावा, फ्लिपकार्ट ने डबल डिस्काउंट ऑफर करने का हिंट भी दिया है।

फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज सेल में एपल आईफोन 16 पर बड़ा डिस्काउंट देखने को मिल सकता है, क्योंकि आईफोन 17 लॉन्च होने वाला है। इसके अलावा, सैमसंग गैलेक्सी S24, लार्ज स्क्रीन स्मार्ट टीवी, वॉशिंग मशीन और ईयरबड्स समेत इलेक्ट्रिक आइट्मस पर अच्छे ऑफर्स के साथ डिस्काउंट मिलने की संभावना है।

फ्लिपकार्ट Big Billion Days Sale में स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी और होम एप्लायंसेज के साथ-साथ ब्यूटी प्रोडक्ट, फैशन, फुटवियर, फर्नीचर और किड्स प्रोडक्ट्स समेत दूसरी कैटेगरी के सामान में बंपर छूट मिलने वाली है।

SIP शुरू करने से लेकर पैसा निकालने तक लगता है जीएसटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड आज निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर प्लेटफॉर्म बन गया है। अब तक आपने अलग-अलग प्रोडक्ट पर लगने वाले जीएसटी को लेकर कई लेख पढ़ें होंगे। आपको बता दें कि म्यूचुअल फंड पर भी जीएसटी लगाया जाता है। हम यहां प्रॉफिट पर लगने वाले टैक्स की बात नहीं कर रहे हैं।

म्यूचुअल फंड में मिलने वाली सेवाओं पर जीएसटी लगाया जाता है। इसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

ये सभी चार्जिस डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रूप से आपके पोर्टफोलियो पर असर डालते हैं। जैसे अगर मैनेजमेंट और एडवाइजरी फीस पर लगने वाला जीएसटी अगर बढ़ता है, तो इससे एक्सपेंस रेश्यो और बढ़ जाएगा।

आपको बात दें कि इस बार के हुए जीएसटी काउंसिल की बैठक में म्यूचुअल फंड पर लगने वाले जीएसटी को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई।

ऐसे फंड का चयन करें, जो बेहतर प्रदर्शन के साथ कई तरह की गुणवत्ता रखता हो। ऐसा फंड जिसमें एग्जिट लोड और एक्सपेंस रेश्यो कम हो। हालांकि म्यूचुअल फंड से मिलने वाला रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। इसमें निवेश करने से पहले वित्तीय सलाहकार की सलाह जरूर लें।

गरीब नहीं, खूब कमाई करती हैं बीड़ी कंपनियां, सिगरेट को देती हैं टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। GST Reforms के बाद भारत में बीड़ी की खूब चर्चा हो रही है। क्योंकि 3 सितंबर की रात की गई घोषणा के बाद लोग कन्फ्यूजन में थे कि आखिर इस धूमपान प्रोडक्ट पर 40 फीसदी या फिर 18 फीसदी जीएसटी लगेगी। लेकिन 4 सितंबर को वित्त मंत्रालय ने सब क्लियर कर दिया और बताया कि बीड़ी पर 18 फीसदी जीएसटी लगेगी। यानी GST Rate Cut से इसकी कीमत कम होगी। अभी इस पर 28 फीसदी जीएसटी लगती है। 22 सितंबर से 18 फीसदी जीएसटी लगने लगी। वहीं, दूसरी ओर बीड़ी की तरह सिगरेट पर 40 फीसदी जीएसटी लगेगी। बीड़ी और सिगरेट की चर्चा के बीच आज हम आपको भारत की टॉप बीड़ी कंपनियों के बारे में बताएंगे और उनके रेवेन्यू के बारे में जानने की कोशिश करेंगे।

सूखे तेंदू के पत्ते में लिपटी और एक पतली डोरी से बंधी, साधारण सी बीड़ी को अक्सर गरीबों का धुआं कहा जाता है। लेकिन इसके साधारण मुखौटे के पीछे अरबों का एक बिजनेस छिपा है।

49 लाख मजूदरों को रोजगार देती है बीड़ी उद्योग- लगभग 7.2 करोड़ उपभोक्ताओं और लगभग 49 लाख मजदूरों को रोजगार देने के बावजूद, सिगरेट के विपरीत, बीड़ी उद्योग एक ढीले टैक्स से बच निकलता है, जिससे कंपनियों को बेशुमार दौलत कमाने का मौका मिलता है। नियामकीय और वित्तीय, दोनों ही तरह की इस उपेक्षा ने बीड़ी को सिगरेट का एक किफायती लेकिन खतरनाक विकल्प बना रहने दिया है। इससे निम्न-आय वर्ग के लाखों लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

छोटे पैमाने के बीड़ी उत्पादकों को दी गई छूट ने एक ऐसी छाया अर्थव्यवस्था को जन्म दिया है जहां कुल बीड़ियों का 31 प्रतिशत लगभग 125 अरब बीड़ी सालाना टैक्स से बच जाती हैं। 31 जुलाई, 2024 को ऑनलाइन प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार बीड़ी व्यापार प्रति वर्ष 1.19 ट्रिलियन बीड़ी तक पहुंचता है। भारत का बीड़ी उद्योग आधिकारिक तौर पर स्वीकार की गई संख्या से कहीं अधिक बड़ा है, और लाखों बीड़ी नियामक निगरानी से परे प्रचलन में हैं।

मनमानी करने वाले बिल्डरों की अब खैर नहीं; सरकार का डिजिटल डेटाबेस, रखेगा देश के सभी प्रोजेक्ट्स पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप घर खरीदने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए खुशखबरी है। सरकार जल्द ही एक ऐसा डिजिटल डेटाबेस शुरू करने जा रही है, जिसमें देशभर के सभी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स की जानकारी होगी। अब तक घर खरीदारों को अक्सर अधूरे वादों, प्रोजेक्ट में देरी और धोखाधड़ी का सामना करना पड़ता था। लेकिन इस नए पोर्टल के आने के बाद खरीदार किसी भी बिल्डर और उसके प्रोजेक्ट की असली स्थिति आसानी से देख सकेंगे।

इस डेटाबेस में प्रोजेक्ट की मंजूरी, कंस्ट्रक्शन की स्पीड, बिल्डर की विश्वसनीयता और कानूनी स्थिति जैसी पूरी जानकारी उपलब्ध होगी। यानी, घर खरीदने से पहले खरीदार खुद जांच कर पाएंगे कि उनका पैसा सही जगह लगाया जा रहा है या नहीं। दरअसल, यह फैसला तब लिया गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी और राज्य के अधिकारियों को खरीदारों की शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई न करने पर फटकार लगाई थी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

खंडवा में गणेश विसर्जन के लिए जाते समय लोडिंग वाहन पलटा, 20 घायल,10 रेफर

खंडवा। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया।गणपति विसर्जन के लिए जा रहे लोडिंग वाहन में सवार होकर जा रहे श्रद्धालु वाहन पलटने से हादसे का शिकार हो गए।बाइक को बचाने में लोडिंग वाहन पलट गया।जिसमें 30 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए।

इनमें महिला-पुरुषों सहित बच्चे भी शामिल थे। घायलों को उपचार के लिए ओंकारेश्वर सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां 15 से ज्यादा घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। करीब 10 श्रद्धालुओं को चोटें अधिक होने से खंडवा जिला अस्पताल सह मेडिकल कालेज रेफर किया गया। जहां उनका उपचार जारी है।

घटना शुक्रवार दोपहर करीब एक से दो बजे की बीच की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार खरगोन जिले के भीकनगांव तहसील के ग्राम मनोहरपुरा के पास से आए श्रद्धालुओं का लोडिंग वाहन ओंकारेश्वर में नया बस स्टैंड से अभय घाट को जोड़ने वाले मार्ग पर बाइक को बचाने में अनियंत्रित होकर पलट गया।

मौके पर पहुंचे तहसीलदार उदय मंडलोई, ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी, विश्व हिंदू परिषद के महेश राठौर, नीरज वर्मा एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से सभी घायलों को सिविल अस्पताल ओंकारेश्वर ले जाया गया। बीएमओ डाक्टर रवि वर्मा ने प्राथमिक उपचार के बाद 10 घायलों को खंडवा जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, कुछ लोगों को हल्की-फुल्की चोटें भी आई हैं।

अभय घाट जाने वाले मार्ग पर मोड ज्यादा

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लोडिंग वाहन में लगभग 30 श्रद्धालु सवार थे, जिनमें महिलाएं, बच्चे और युवक शामिल थे। फिलहाल सभी घायलों का इलाज जारी है। विश्व हिंदू परिषद के महेश राठौर का कहना है कि नए बस स्टैंड से शंकराचार्य जी की ओर जो सड़क जाती है उसे पर मोड ज्यादा है एवं ढलान वाला रोड है। इससे कि टर्न में सामने से आ रहा वाहन दिखाई नहीं देता है। सड़क महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां आदिगुरु शंकराचार्य जी की ओर सड़क की जाती है।इस पर टर्न कम करने चाहिए और जगह-जगह स्पीड ब्रेकर बनाए जाना चाहिए।

गर्दिश में विधायक संजय पाठक के सितारे... GST और ब्याज के साथ भरनी होगी पेनल्टी, जबलपुर में होगी वसूली

जबलपुर। खनिज विभाग जबलपुर की सीमा में आने वाली खदानों में अवैध उत्खनन करने के आरोप में विधायक संजय पाठक से 443 करोड़ वसूलने की तैयारी शुरू हो गई है। यह जिम्मा जबलपुर खनिज विभाग को दिया गया है। विभाग के अधिकारियों ने वसूली करने के लिए जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना से स्वीकृति मांगी है। विभाग ने इस संबंध में मांग पत्र तैयार कर कलेक्टर को भेजा है, लेकिन गुरुवार तक इस पर सहमति नहीं मिल सकी। अब संभवतः शुक्रवार को कलेक्टर इस पर सहमति देंगे, जिसके बाद संजय पाठक से वसूली की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

खदानों में तय सीमा से ज्यादा किया उत्खनन-दरअसल, संजय पाठक ने सन् 2004 से 2017 तक अपनी खदानों में तय सीमा से ज्यादा उत्खनन किया। इसकी जानकारी न तो जबलपुर खनिज विभाग को लगी और न ही भोपाल में बैठे अधिकारियों को। करीब 13 साल तक विधायक ने अपनी स्वीकृत खदानों से तय मात्रा से ज्यादा उत्खनन किया, लेकिन कागजों पर तय सीमा में ही उत्खनन दिखाया गया। इसकी शिकायत जब भोपाल पहुंची तो हड़कंप मच गया और जांच टीम गठित कर संजय पाठक की मां और बेटे के नाम पर ली गई खदानों की जांच की गई।

हर कंपनी से किया अवैध उत्खनन-दरअसल भोपाल खनिज विभाग की टीम ने कुछ दिन पहले संजय पाठक की मां निर्मला पाठक और पुत्र यश पाठक के नाम पर ली गई खदानों की जांच की। इसमें आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन, निर्मला मिनरल्स, पैसेफिक एक्सपोर्ट और आनंद माइनिंग कार्पोरेशन ने ली खदानों में अवैध उत्खनन लिया। जांच के बाद खनिज विभाग ने आनंद माइनिंग पर 234.51 करोड़, निर्मला मिनरल पर 126.79, पैरोफिक एक्सपोर्ट पर 81.79 करोड़ और आनंद कॉर्पोरेशन से 20.02 करोड़ की पेनल्टी लगाई है। इसे वसूलने का काम जबलपुर जिला प्रशासन को दिया गया है।

कलेक्टर से सहमति के बाद वसूली-जिले के खनिज विभाग द्वारा मांग पत्र पर कलेक्टर से सहमति के बाद वसूली के लिए नोटिस जारी किए जाएंगे। इतना ही नहीं भुगतान न करने पर संजय पाठक की खदानों में उत्खनन करने पर रोक भी लग सकती है। वसूली न हो, इसलिए निवेश कर दिया हाल ही में कटनी में हुए कॉन्क्लेव में देशभर की खनिज क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों ने निवेश किया। इस दौरान संजय पाठक की फर्मों पर लगाए 443 करोड़ के जुर्माना को लेकर चर्चा रही।

अवैध उत्खनन पर सरकार के रुख को ठंडा करने के लिए संजय पाठक ने अपनी और अपने बेटे यश पाठक की फर्मों द्वारा निवेश करने की राशि में इजाफा किया और बढ़ाकर चार हजार करोड़ कर दिया गया। हालांकि इस दौरान मुख्यमंत्री और खनिज विभाग के आला अधिकारियों ने इस निवेश पर संजय पाठक की प्रशंसा भी की।कोर्ट के आदेश पर आगे बढ़ी कार्रवाई

इसके बाद यह कयास लगाए गए कि अब सरकार, जुर्माने की राशि वसूलने पर जोर नहीं देगी, लेकिन अचानक हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल मिश्रा की ऑर्डर शील पर संजय पाठक द्वारा फोन पर अप्रोच लगाने की बात कही, जिसके बाद आनन-फानन में जुर्माना की कार्रवाई को आगे बढ़ाया गया।

जबलपुर खनिज अधिकारी एके राय ने कहा कि भोपाल से आए आदेश के बाद जुर्माना वसूलने की कार्रवाई के संबंध में मांग पत्र तैयार किया गया है, जिस पर कलेक्टर की सहमति के बाद जुर्माना वसूलने की कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा।

भोपाल में ईद मीलाद-उन-नबी पर निकले जुलूस, बटे लंगर, कई रास्तों से गुजरा, पीसीसी चीफ भी हुए शामिल

भोपाल। ईद मीलाद-उन-नबी के अवसर पर शुक्रवार को दो जुलूस निकाले गए। इस दौरान लंगर बंटा गया। जुलूस के दौरान पुराने शहर में ट्रैफिक पर असर देखने को मिला। जुलूस में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और विधायक अरिफ मसूद भी शामिल हुए।

राजधानी भोपाल में ईद मीलाद-उन-नबी के अवसर पर शुक्रवार को दो जुलूस निकाले गए। इस दौरान लंगर बंटा गया। जुलूस के दौरान पुराने शहर में ट्रैफिक पर असर देखने को मिला। जुलूस में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और विधायक अरिफ मसूद भी शामिल हुए। यह जुलूस मंगलवारा का जुलूस छावनी मंगलवारा से शुरू हुआ और भारत टॉकीज चौराहा, सेंट्रल लाइब्रेरी, इतवारा, इस्लामपुरा, बैंड मास्टर तिराहा, बुधवारा, इब्राहिमपुरा, मोती मस्जिद, पीरगेट होते हुए इमामी गेट चौराहे पर संपन्न हुआ।कुरआन ख्वानी और फातिहा का हुआ आयोज जुलूस संयोजक अब्दुल नफीस के अनुसार मंगलवारा चौराहा से परंपरागत मुख्य जुलूस विधायक आरिफ मसूद के संरक्षण में निकला। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर मस्जिदों, मदारिसों, खानकाहों में कुरआन ख्वानी और फातिहा के आयोजन भी किए जा रहे हैं।

पार्वती नदी के उफान से 24 घंटे ठप रहा श्योपुर-बारां हाईवे... SDRF ने गर्भवती महिला समेत 15 ग्रामीणों का किया रेस्क्यू

श्योपुर। जिले की वीरपुर तहसील का दीमरछा गांव शुक्रवार को चंबल और कूनो नदी की लहरों से घिर गया। इसके बाद प्रशासन को एक गर्भवती महिला समेत 15 ग्रामीणें का रेस्क्यू करना पड़ा। दो घंटे के ऑपरेशन में सभी ग्रामीण रेस्क्यू किए जा सके। गर्भवती महिला को नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया गया है।

रुक-रुक कर हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। उधर पार्वती नदी में आए उफान के कारण कुहांजापुर पुल पर सुबह 11 बजे तक तीन फीट के आसपास पानी रहा। दोपहर बाद पार्वती नदी का पानी उतरने पर 24 घंटे से बंद श्योपुर-बारां हाईवे पर आवागमन शुरू हो सका।

गुजरे तीन-चार दिन से रुक-रुक कर हो रही बारिश की वजह से जलस्तर बढ़ने के कारण वीरपुर क्षेत्र के दिमरछा गांव का मुख्य रास्ता चंबल और कूनो नदी की लहरों के बीच समा गया। गांव के पास कूनो और चंबल का संगम होने से स्थिति और विकट हो गई।

इसी दौरान गांव की रहने वाली नीलम पत्नी कुलदीप रावत 24 साल की डिलीवरी होनी थी। जिला प्रशासन को इस बारे में सुबह सूचना मिली। इसके बाद एसडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाया गया। मौके पर हालातों को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू चलाने का निर्णय लिया। एसडीआरएफ ने प्रशासन और पुलिस की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।। टीम ने महिला को सुरक्षित निकालकर

एंबुलेंस से वीरपुर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। रेस्क्यू के दौरान पता चला कि गांव में 15 अन्य लोग भी फंसे हैं। इनमें बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं शामिल थे। एसडीआरएफ की टीम ने सभी को बारी-बारी से बाहर निकाला। इनमें से कुछ लोगों को बीमार होने पर नजदीक के अस्पताल भेजा गया है।

टीआई वीरपुर भारत सिंह गुर्जर के अनुसार नदी के तेज बहाव के कारण एसडीआरएफ टीम को नाव और रस्सियों का सहारा लेना पड़ा। दो घंटे के रेस्क्यू अभियान में सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। रेस्क्यू दल में नवदीप शर्मा, पवन नामदेव, सुनील भूरिया और स्थानीय वीरपुर थाने के पुलिसकर्मी शामिल थे।

ग्रामीणों ने प्रशासन और रेस्क्यू दल का आभार जताया। पिछले दिनों से हो रही बारिश के कारण नदियां उफान पर है। निचले इलाकों के गांवों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के किनारे न जाने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

24 घंटे बाद श्योपुर-बारां हाईवे पर शुरू हो सका आवागमन-प्रदेश के कई हिस्सों के साथ ही मालवा अंचल में हो रही भारी बारिश का असर श्योपुर जिले की चंबल और पार्वती नदियों पर पड़ रहा है। पार्वती नदी के कुहांजापुर के सूरथाग पुल पर गुरूवार दोपहर 3 फीट के ऊपर पानी छलांगे मारने लगा। यही वजह है कि श्योपुर का बारां से सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया था। ऐसे में सैकड़ों वाहन फंस गए।जिला प्रशासन ने पार्वती नदी किनारे बसे गांवों में निगरानी बढ़ाते हुए लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी। गुरूवार को सुबह 11 बजे तक पार्वती उफन रही थी। दोपहर में धीरे-धीरे नदी का जलस्तर कम होने लगा। कुहांजापुर पुल के पास नदी के उतरने के बाद पुल पर पुलिस ने आवागमन खोला। 24 घंटे के लगभग बारां हाईवे से आवागमन बंद रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर की लोक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए लोकार्पित की 50 इलेक्ट्रिक बसें

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वच्छता से समृद्धि आती है। स्वच्छता हमारी परंपरा, दिनचर्या और संस्कारों में सदियों से शामिल रही है, किंतु समय के साथ हम इसे भूलते गए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इन आदतों और संस्कारों को पुनर्जीवित कर स्वच्छता को जन आंदोलन का रूप दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वच्छता कर्मवीरों के सम्मान समारोह और सहभोज कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर ने लगातार आठ बार प्रथम स्थान प्राप्त कर देश में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके लिए इंदौर के सभी 36 लाख नागरिक और विशेष रूप से स्वच्छता कर्मवीर बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में विश्वस्तरीय पहचान बनाई है। यह उपलब्धि टीम भावना, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और सफाईकर्मियों की अथक मेहनत से संभव हुई है।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड, श्री महेंद्र हार्डिया, विधायक श्री मधु वर्मा तथा सुश्री ऊषा ठाकुर, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, पूर्व विधायक श्री जीतू जिराती, पूर्व महापौर श्री कृष्ण मुरारी मोघे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता कर्मवीरो का सम्मान कर साथ में किया भोजन- समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता कर्मवीरों का सम्मान कर उनके साथ भोजन किया। उन्होंने इंदौर को स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार आठ बार अव्वल बनाने के लिए स्वच्छता कर्मवीरों के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मवीरों ने अपनी कर्मठता, लगन, मेहनत, सेवा और समर्पण भाव से कार्य कर इंदौर को नई ऊँचाईयों तक पहुँचाया है। स्वच्छता कर्मवीर सही अर्थो में सम्मान के हकदार है। उन्होंने स्वच्छता का महागुरु लोगो का विमोचन भी किया। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पार्षदों और वार्डो को भी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुरस्कृत किया। स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार वार्ड क्रमांक 13 को, द्वितीय पुरस्कार वार्ड क्रमांक 03 को तथा तृतीय पुरस्कार वार्ड क्रमांक 32 को दिया गया। स्वच्छता में सर्वश्रेष्ठ पार्षद का प्रथम पुरस्कार श्री योगेश गेंदर, द्वितीय पुरस्कार श्री पराग कौशल तथा तृतीय पुरस्कार श्री राजीव जैन को दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश के पहले जीरो वेस्ट जू (प्राणी संग्रहालय) का शुभारंभ भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर की लोक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 60 करोड़ रुपये की लागत की 50 नई इलेक्ट्रिक बसों का लोकार्पण किया। बताया गया कि इंदौर को 150 नई इलेक्ट्रिक बसें मिलेगी, इनमें से उक्त 50 बसों का लोकार्पण आज किया गया है।

आईआईटी इंदौर ने बनाया अनोखा उपकरण, हवा और पानी से खुद बनेगी बिजली

इंदौर। सौर ऊर्जा के अलावा अब ग्रीन एनर्जी के रूप में हवा और पानी का उपयोग कर बिजली तैयार की जा सकेगी। आईआईटी इंदौर ने एक ऐसा उपकरण बनाया है जो जल वाष्पीकरण की प्राकृतिक प्रक्रिया से बिजली तैयार करेगा। इस तकनीक से छोटे-छोटे इलेक्ट्रिक उपकरणों को चार्ज करने के साथ-साथ मेडिकल डिवाइस जैसे पेसमेकर और हियरिंग एड भी संचालित किए जा सकेंगे। संस्थान के वैज्ञानिकों ने बताया कि नई तकनीक में बने मेंब्रेन का उपयोग कर वातावरण की नमी और यहां तक कि मानव शरीर के पसीने से भी बिजली पैदा की जा सकती है। इससे डिजिटल वॉच और अन्य छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बिना बैटरी बदलने की समस्या के स्वयं चार्ज किया जा सकेगा। यह तकनीक आईआईटी इंदौर की सस्टेनेबल एनर्जी एंड एनवायरमेंटल मटेरियल्स लैब में विकसित की गई है। इस शोध का नेतृत्व प्रोफेसर धीरेंद्र के राय और उनके शोधार्थी खुशवंत सिंह ने किया। शोधकर्ताओं ने ग्रैफीन ऑक्साइड और जिंक यौगिक से बनी एक विशेष मेंब्रेन तैयार की।

सार्वजनिक जीवन में शुचिता के लिए निर्भय दादा का नाम हमेशा अमर रहेगा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वर्गीय श्री निर्भय सिंह पटेल अपनी ईमानदारी और सार्वजनिक जीवन में शुचिता के लिए जाने जाते हैं। सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के लिए स्वर्गीय पटेल का नाम हमेशा अमर रहेगा। स्व. श्री पटेल का नाम पार्टी और संगठन में आज भी बड़े आदर के साथ लिया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में स्व.श्री निर्भय सिंह पटेल की 29 वें पुण्य स्मरण दिवस पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित निर्भयसिंह पटेल स्मृति विचार मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहें थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व मंत्री स्व.श्री पटेल के पुण्य स्मरण पर आयोजित वाद विवाद के सम्बंध में कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से नई पीढ़ी के अच्छे वक्ता सामने आते हैं। भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल में शास्त्रार्थ होते थे, जो कि अब वाद विवाद प्रतियोगिताओं का रूप ले चुके हैं। यहां जिला स्तरीय अंतरविद्यालयीन भारतीय मंत्री स्तरीय वादङ्विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने पुरस्कार प्रदान किये। कार्यक्रम में प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री मधु वर्मा, विधायक देपालपुर श्री मनोज पटेल, श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री गोलू शुक्ला, श्री रमेश मेंदोला,पूर्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर श्री सुदर्शन गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। 29वें पुण्य स्मरण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय श्री निर्भय सिंह पटेल अपनी ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा के लिए हमेशा याद किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय श्री पटेल ने अपने कृतित्व और व्यक्तित्व से इंदौर की राजनीति में अलग ही पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा की प्रतिकूलता में से अनुकूलता निकालने की जो कला स्वर्गीय निर्भय सिंह पटेल में थी वह अनूठी ही थी। उन्होंने सुझाव दिया कि इस वर्ष की वाद विवाद प्रतियोगिता के विषय में भारत सरकार के कृषि, रेल और खेल विभाग को शामिल किया गया था, अगले वर्ष से रक्षा विभाग को भी शामिल किया जाना चाहिए।

देश की अर्थव्यवस्था के हित में है एक राष्ट्र एक चुनाव- मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के रथ पर आगे बढ़ रहा है। जम्मू कश्मीर में धारा-370 के हटने के बाद सुशासन आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पिछले पांच वर्षो से एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर देश भर में अलख जगा रहे हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव देश की अर्थव्यवस्था के हित में है। देश की प्रगति के लिये एक राष्ट्र एक चुनाव जरूरी है। इससे न केवल समय बचेगा बल्कि अनावश्यक खर्चो से भी मुक्ति मिलेगी। वर्ष 1967 के पहले देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे। लेकिन बाद में यह स्थिति बदल गई, अब हमें पुनः उसी स्थिति को लाना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर आयोजित राष्ट्रव्यापी विचार एवं परामर्श सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के सामने जब भी कोई चुनौती आई, उससे मुकाबला करने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पीछे नही हटे। युद्ध की स्थिति में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कुशल नेतृत्व से देश की धारा को बदलने का काम किया है। देश की एकजुटता में प्रधानमंत्री श्री मोदी का बड़ा योगदान रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगे कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है और इसका सभी को सम्मान करना चाहिए। हिन्दी के अलावा भारत की सभी भाषाएं भी सम्मानीय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल श्री वी.एस. कोकजे ने की। इस मौके पर जल

पार्श्व कल्पतरुधाम, औषधियों के जल से शक्रस्थ अभिषेक, पूजन महोत्सव, श्वेतांबर जैन समाज जनों का जमावड़ा

इंदौर। आज के समय में हर कोई भागम भाग में लगा हुआ है, भौतिक सुख सुविधाओं के लिए आत्मशांति और आत्म समृद्धि दोनों ही दूर होती जा रही, जीवन में स्वयं को पाने (स्व को जानने) के लिए आत्म चिंतन करना जरूरी है, प्रभु भक्ति और परिवार का साथ सबसे बड़ी दौलत है, इससे आत्म शांति तो मिलेगी, आलौकिक सुख भी मिलेगा। यह विचार गुरुवार को पार्श्व कल्पतरु धाम पर पूज्य अमित गुणा श्री जी महाराज सा ने धर्म सभा में व्यक्त किए। श्री धरणीधर पार्श्वनाथ जैन मंदिर एवं श्री संघ अध्यक्ष पुंडरीक पालरेचा ने बताया कि पूज्य अमीझरा श्री जी महाराज सा की स्मृति में नो दिवसीय नवाहिका महा महोत्सव के अंतर्गत शक्रस्थ महाभिषेक 3घंटे से ज्यादा से चला। बड़ी संख्या में समाज जनों की सहभागिता रही।हाई लिंक सिटी स्थित श्री धरणीधर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में अमीझरा श्री जी महाराज सा निमित्त आयोजित नवहानिका महोत्सव के अंतर्गत छटा दिवस महा मंगलकारी शक्रस्तव महा अभिषेक भक्तों की उपस्थिति में जय महावीर,जय पार्श्वनाथ के जयकारो के साथ इंद्रदेव की उपस्थिति में विशाल रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वर्ण सुमेरु पर्वत का निर्माण किया गया और विभिन्न सुगंधित औषधीय के द्रव्य से विधि विधान के साथ महा अभिषेक किया गया, पूरा परिसर विभिन्न खुशबू से महक रहा था, इस अवसर पर प्रमुख रूप से कपिल कोठारी जयंत खाबिया , अर्पित मारू आदि मौजूद थे, बड़ी संख्या में श्वेतांबर जैन समाजजनों की परिवार के साथ मौजूदगी बनी हुई है। 5 सितंबर को पार्श्व पद्मावती महापूजन, 6 सितंबर को प्रभाविका महा पूजन और 7 सितंबर को समापन अवसर पर श्री शांति स्नात्र महा महोत्सव का आयोजन होगा।

देशभर के माहेश्वरी समाज जनों का जमावड़ा इंदौर

इंदौर। श्री पश्चिमक्षेत्र मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ओर युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में माहेश्वरी समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन कल से इंदौर में शुरू होने वाला है। अखिल भारतीय युवक युवती परिचय सम्मेलन के लिए दर्जन भर से ज्यादा समितियो को व्यवस्था की कमान सौंपी गई है इस बार का सम्मेलन की खास बात यह है कि यह समाज ,संस्कृति और संस्कार को समर्पित रहेगा, युवा पीढी को संस्कारों के लिए जागरूक किया जाएगा।

श्री पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं युवा संगठन के द्वारा वृहद स्तर का वैवाहिकी परिचय सम्मेलन इंदौर में 6 और 7 सितम्बर को दस्तूर गार्डन, स्कीम नम्बर 71, रिंग रोड पर आयोजित हो रहा है। प्रचार प्रमुख के गोपालदास राठी एवं रुपेश भूतडा ने बताया कि सम्मेलन के लिए 850 युवा - युवती के पंजीयन हो चुके है एवं बड़ी संख्या मे युवक एवं युवतियाँ अभिभावक ओर परिजनों के साथ इस वैवाहिकी परिचय सम्मेलन मे सहभागिता करने जा रहे है । सम्मलेन की व्यापक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। भोजन, आवास, सत्कार, मंच आदि दर्जनभर समितियां बनाई गई है अध्यक्ष पुष्प माहेश्वरी, अभिषेक बजाज एवं सचिव अजय झवर, सपन मान्धनीया ने बताया इस बार बड़ी संख्या मे प्रत्याशियों ने ऑनलाईन फार्म भरे है।कार्यक्रम सयोजक राजेश मूंगड़ ने बताया की विदेश से भी प्रत्याशियों की प्रविष्ठीय प्राप्त हुई है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम, वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सिंहस्थ- 2028 संबंधित सभी निर्माण कार्यो को समय से पूर्ण किया जाए

उज्जैन । उज्जैन सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने सिंहस्थ 2028 के विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की सिंहस्थ के चल रहे निर्माण कार्यों को आपसी समन्वय से समयसीमा में पूर्ण कराये । निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए । जिन निर्माण कार्यों में तकनीकी या अन्य समस्या हो उसे अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर हल किया जाए ।

सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने बैठक में रेलवे स्टेशन से श्री महाकालेश्वर मंदिर तक रोपवे परियोजना, खान डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना, सेवरखेडी-सिलारखेडी परियोजना, जयसिंह पुरा पर रेलवे अंडरपास, सिन्धी कॉलोनी से हरिफाटक ब्रिज तक मार्ग का चौड़ीकरण, हनुमान नाका से हरिफाटक ब्रिज तक मार्ग का चौडीकरण, इंदिरा गांधी चौराहा से चामुण्डा माता चौराहा के बीच

फ्रीगंज आर.ओ.बी. के समान्तर आरओबी का निर्माण, उज्जैन-लालपुर-मक्सी मार्ग में समपार क्रमांक 7 पर पूर्व से निर्माणाधीन आर.ओ.बी. के समानांतर एक अतिरिक्त आर.ओ.बी का निर्माण, उज्जैन मक्सी मार्ग पर उज्जैन शहर में पुराने समपार क्र. 2 पूर्व पुल के समानांतर उज्जैन इंदौर रेल सेक्शन पर आई.टी.आई के सामने टू-लेन अतिरिक्त आर.ओ.बी. का निर्माण, लालपुर के डाउन स्ट्रीम में रेल्वे पुल के समानांतर क्षिप्रा नदी पर नवीन फोर लेन पुल निर्माण, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी आदि निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए की उनकी निर्माण कार्यों में अहम भूमिका है, उन्होंने निर्देश दिए की सिंहस्थ के निर्माण कार्यों की माइक्रो प्लानिंग कर निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण किया जाए । रेलवे के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने के लिए दो अधिकारियों को नियुक्त किया जाए, ताकि समय-समय पर रेलवे संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जा सके ।

बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ के विभिन्न निर्माण कार्यों की विस्तार से जानकारी दी तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए । बैठक में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी श्री के.एल मीणा ने भी रेलवे से संबंधित तकनीकी समस्याओं का समय पर निराकरण कर सिंहस्थ कार्यों को पूर्ण करने के लिए अपने रेलवे के संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए ।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, श्री विवेक ढांड, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा तथा संबंधित विभागो के अधिकारी, रेलवे अधिकारी आदि उपस्थित थे ।

संस्कृति रक्षक मंच ने किया शिक्षको का सम्मान

उज्जैन । संस्कृति रक्षक मंच द्वारा शिक्षक दिवस कर एक दिन पूर्व वार्ड क्रमांक 06 के अंतर्गत आने वाले शासकीय व निजी स्कूलों के शिक्षकों का सम्मान मंच के अध्यक्ष एवं एमआईसी सदस्य व वार्ड पार्षद शिवेंद्र तिवारी के नेतृत्व मे किया गया।

यह जानकारी देते हुए मंच के दीपक सैनी ने बताया की संस्कृति रक्षक मंच द्वारा शिक्षक दिवस के एक दिन पूर्व वार्ड क्रमांक 06 के अंतर्गत आने वाले शासकीय माध्यमिक स्कुल मोहन नगर ए,शा.आदर्श संस्कृत उ. मा.विद्यालय मोहन नगर ए, अल्फा कान्वेंट स्कुल गाँधी नगर, अली कान्वेंट स्कुल गाँधी नगर, धर्मिष्ठा कान्वेंट स्कुल मोहन नगर बी मे पढ़ाने वाले शिक्षक व शिक्षिकाओं का सम्मान मंच के अध्यक्ष एवं एमआईसी सदस्य व वार्ड के पार्षद शिवेंद्र तिवारी के नेतृत्व मे किया गया।इस अवसर पर भाजपा विक्रमादित्य मंडल अध्यक्ष विक्रम ठाकुर,मंडल महामंत्री मोहन चौहान,मंडल मंत्री पूजा पंवार,लाभार्थी प्रमुख वंदना जैन,पूर्व मंडल महामंत्री लखन राणावत,अल्पसंख्यक मोर्चा विक्रमदित्य मंडल अध्यक्ष नुरुद्दीन अंसारी,हरिओम तिवारी,सुनीता नागर,सिद्दीकी भई आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन मोहन चौहान ने किया व आभार नुरुद्दीन अंसारी ने माना। इस अवसर पर लगभग 75 शिक्षक शिक्षिकाओं का मंच की और से दुप्टा व फूल की कलिया देकर सम्मान किया गया।

सद्भावना सांस्कृतिक मंच द्वारा ईद-मिलादुन्नबी के जुलूस का स्वागत

उज्जैन। ईद मिलाद-उन-नबी के मौके पर सद्भावना सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष शहजाद खान के नेतृत्व में केडी गेट पर शहरकाजी खलीकुर्रहमान एवं मुस्लिम धर्म के अन्य अनुयायियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर सुशील गोधा, चुन्नीलाल धैर्या, राजा ठाकुर आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

नि : शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में सौ से अधिक बीमारों को मिला उपचार

उज्जैन। श्री राठौर तीर्थ धाम उज्जैनिया के सौजन्य से निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिवर का आयोजन दिनांक 5 सितंबर को गणेश उत्सव 56, कंचनपुरा उज्जैन पर किया गया।

राठौर तीर्थ न्यास के अध्यक्ष आर.एन. राठौर ने बताया कि उज्जैन में 12.5 बीघा भूमि पर उज्जैनिया में श्री राठौर तीर्थ धाम, मानव सेवा ही ईश्वर प्रार्थना है के भाव से बनने जा रहा है। जिसके तहत बीमार, मरीजों की चिकित्सा के लिए प्रथम निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आज आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक ने बुखार, मधुमेह, लकवा, ब्लडप्रेशर, पाचन, गठिया, दमा, टॉन्सिल आदि रोगों से पीड़ित सो से अधिक लोगों का निशुल्क परीक्षण कर, दवाई दी। जिसमें प्रमुख रूप से चिकित्सक डॉ समीक्षा राठौर, डॉ सुरभि झा, डॉ जाह्नवी मेश्राम, डॉ सचिन कोली, डॉ दिव्या मालवीय, डॉ. अपर्णा पंचोरी, डॉ अदिती पोरवाल, डॉ शुभम परमार, डॉ आशीष राठौर आदि ने अपनी निःशुल्क सेवाएं दी।

इस अवसर पर श्री जयप्रकाश जूनवाल पूर्व संभागीय मीडिया प्रभारी बीजेपी, मांझी समाज प्रदेश अध्यक्ष राकेश रायकवार, महाकाल सेना प्रदेश प्रमुख अशोक राठौर जावरा वाले, सामाजिक स्व सहायता समूह के अध्यक्ष मदनलाल राठौर साबुखेड़ी वाले, श्री राठौर तीर्थ धाम के फाउंडर मेंबर दिलीप मगरवा, शिवनारायण राठौर दानी गेट, आदिशक्ति पीठ से राजू खलीफा, धर्मेंद्र राठौर पत्रकार, चेतन राठौड़, यथार्थ राठौर, ममता पुष्पद, सुनीता राठौर, लता राठौर, सुशीला राठौर, आदि ने सेवा देने वाले डॉक्टर्स का स्वागत कर अभिनंदन किया।

विक्रम उद्योगपुरी भूमि अधिग्रहण के अवार्ड के बाद भी 7 गांव के 90 प्रतिशत किसानों का भारी विरोध

उज्जैन। डीएमआईसी विक्रम उद्योगपुरी के अधिकारी राजेश राठौर ने बयान जारी किया था कि अब भूमि स्वामी भी विक्रम उद्योगपुरी फेस 2 परियोजना के समर्थन में खड़े हैं, बिना किसी विरोध के जमीन अधिग्रहण संभव हो सकेगा और कलेक्टर द्वारा 25 अगस्त 2025 को अवार्ड घोषित किया गया। परंतु 7 गांव में से मात्र लगभग 10 प्रतिशत प्रभावित कृषकगण द्वारा ही सहमति दी गई। जिससे एक बार फिर यह साबित हुआ कि 90 प्रतिशत किसान आज भी अपनी जमीन अधिग्रहण के विरोध में खड़े हैं और केंद्रीय कमेटी के विशेष पैकेज बाजार मूल्य के समतुल्य नहीं होने से संतुष्ट नहीं है।

उच्च न्यायालय में 90 प्रतिशत किसानों की रिट याचिकाएं विचाराधीन है और अवार्ड घोषित कर दिया गया। सभी 7 गांव के प्रभावित किसानों ने इस मामले को लेकर भू अर्जन विभाग के उच्च अधिकारियों से मिलकर अपनी आपत्ति और विरोध दर्ज करवाया है।

दुर्गावाहिनी ने दिया संदेश 'धर्म, संस्कृति बचायें, हर बहन दुर्गा वाहिनी बनें'

उज्जैन। बाबा काल भैरव की भव्य सवारी में दुर्गा वाहिनी के प्रखंड की बहनों ने अखाड़ा निकालकर 'धर्म, संस्कृति बचायें, हर बहन दुर्गा वाहिनी बनें' का संदेश दिया।

विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी जिला उज्जैन महानगर में मधुकर प्रखंड में संयोजिका अनुष्का चौरसिया एवं उज्जैन जिला संयोजिका प्रियंका सिंह परमार ने बताया कि अखाड़ा निकालकर संदेश दिया कि लव-जिहाद से हमारी हिन्दू बहनें बचें, अपना हिन्दू धर्म त्याग नहीं करें।

माता पिता को भी संदेश दिया कि हमारी घर की बेटी किसी मुस्लिम लड़के से दोस्ती न करें इस बात का ध्यान रखें दोस्ती मे हमारी घर बेटी अपना धर्म छोड़कर मुस्लिम इस्लाम धर्म अपना रही है। इस अवसर पर मालवा प्रांत के मंत्री विनोद शर्मा, सहप्रांत मंत्री महेश आंजना, उज्जैन जिला संगठन मंत्री मनोहर आंजना, जिला मंत्री जसवंत ठाकुर, जिला के उपाध्यक्ष ब्रज गोठी, सहमंत्री दर्शन परमार, बजरंग दल के सह संयोजक सुमन माली, सहसंयोजक लवेश सोनी, दुर्गा वाहिनी की जिला संयोजिका प्रियंका सिंह परमार, दुर्गा वाहिनी की कालिदास प्रखंड संयोजिका रचना चौहान, माधव प्रखंड की संयोजिका छाया निगम, प्रखंड विद्यार्थी प्रमुख अनोखी दीदी, मधुकर प्रखंड की सह संयोजिका साक्षी दीदी, सभी बजरंग दल के भाईयों का सहयोग रहा। भैरव बाबा की सवारी में जिले के सभी अधिकारी और बजरंगी भाइयों के सहयोग से दुर्गा वाहिनी बहनों द्वारा प्रदर्शन किया गया।

शिक्षक दिवस पर कुर्मी समाज ने किया 10 शिक्षकों का सम्मान

उज्जैन। शिक्षक दिवस पर कुर्मी समाज द्वारा 10 शिक्षकों को सम्मान किया गया। इसके साथ ही मध्यप्रदेश कुर्मी क्षत्रिय समाज की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक कन्हैया परिसर सेठीनगर में संपन्न हुई।

प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रामखिलावन पटेल एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एलजी पटेल मुख्य रूप से मौजूद रहे। अध्यक्षता करते हुए जितेंद्र कटियार प्रदेश उपाध्यक्ष, आरके सिंह प्रदेश सचिव, महेंद्र कटियार ने बताया कि समाज में दहेज प्रथा, नुकता प्रथा बंद करने हेतु जनगणना पर विशेष ध्यान दिया जाए। समाज के कॉलम में खाली कुर्मी लिखें किसी प्रकार का सरनेम ना लिखें। समाजहित में पूरे मध्य प्रदेश में बैठक चल रही है। समाज द्वारा इस अवसर पर समाज की दो नियुक्तियां की गई। संभाग अध्यक्ष के रूप में महेश पटेल नियुक्ति किए गए। क्षेत्रीय पार्षद बालकृष्ण पटेल का सम्मान किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com